जब तक लाखों लोग भूखे और अज्ञानी हैं,
तब तक मैं उस प्रत्येक व्यक्ति को कृतघ्न समझता हूँ,
जो उनके बल पर शिक्षित तो बना परन्तु आज उसकी ओर ध्यान नहीं देता।

– स्वामी विवेकनन्द

महाविद्यालय का अभिनव प्रयोग

एक विभाग – एक गाँव
एक कॉलेज – एक गाँव

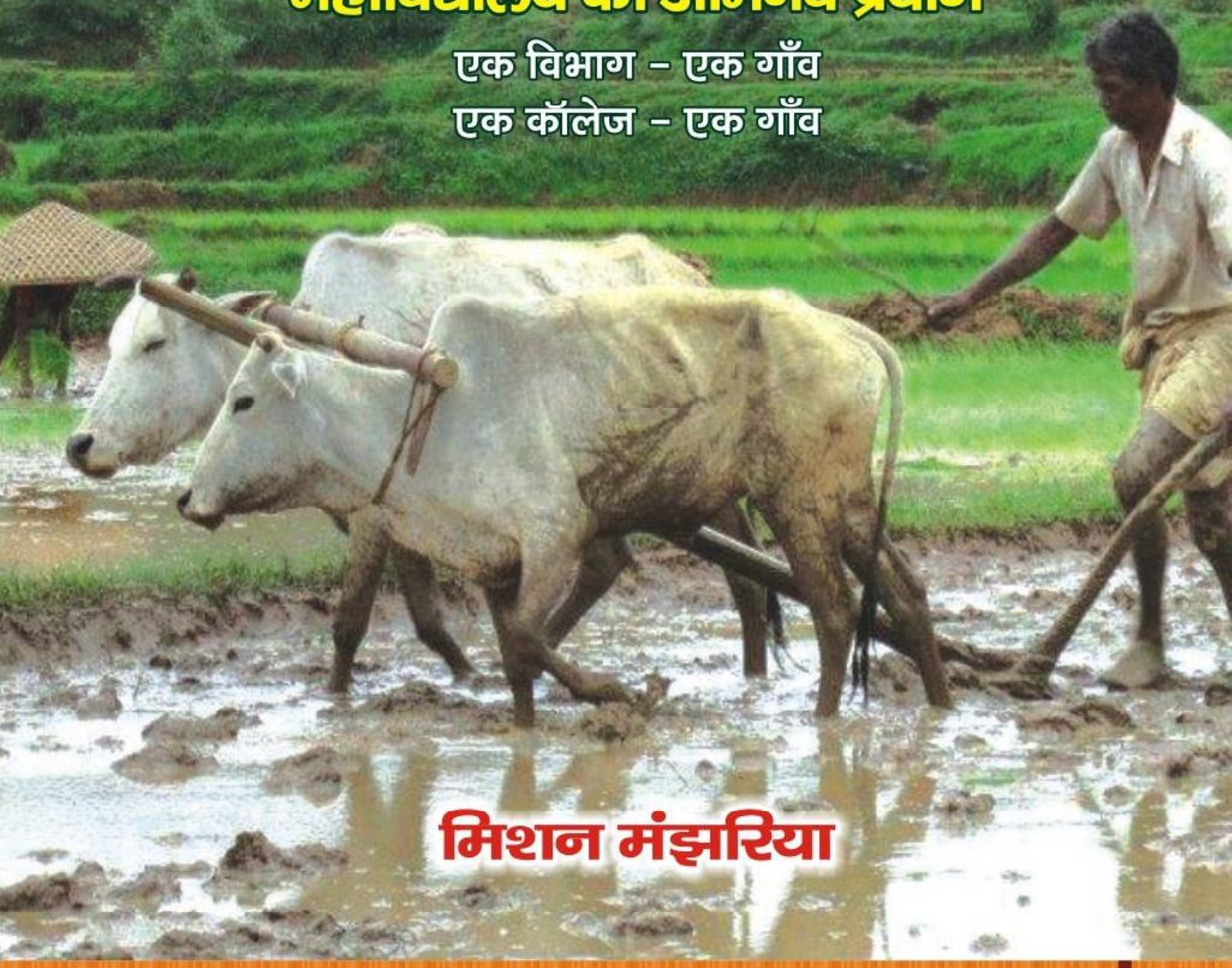

मिशन मंझरिया

मिशन मंझरिया

जंगल धूसड़ की ग्रामीण पृष्ठभूमि में स्थापित महाराणा प्रताप पी. जी. कालेज, श्री गोरक्षपीठ द्वारा संचालित महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की एक संस्था है। शिक्षा को सेवा का आधार मानकर लोक कल्याणार्थ स्थापित इस महाविद्यालय ने पठन-पाठन के साथ-साथ जन-सरोकारों से सीधा-संवाद स्थापित किया। अपने स्थापनावर्ष में ही 'ग्रामीण भारत का भविष्य' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन कर महाविद्यालय द्वारा 'आदर्श ग्राम योजना' का स्वरूप निर्धारित किया गया। गांव से शिक्षकों-विद्यार्थियों के संवाद को आकार देने हेतु 'एक विभाग-एक गांव' की योजना के क्रियान्वयन का पहला चरण 2006 ई. में ही प्रारम्भ हो गया। इसी क्रम में 2015-2017 ई. तक तत्कालीन सांसद एवं महाविद्यालय के प्रबन्धक महन्त योगी आदित्यनाथ जी महाराज के सांसद आदर्श ग्राम योजनान्तर्गत गोद लिए गए ग्यारह गांवों में से एक महाविद्यालय के निकट स्थित ग्राम-सभा औराही में साक्षरता, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता जागरुकता अभियान ने आदर्श-ग्राम योजना को अनुभवजन्य गति प्रदान किया।

वर्तमान सत्र 2019-20 ई. की योजना बैठक में 'एक विभाग-एक गांव' योजना को पूर्ववत् जारी रखते हुए निर्णय किया गया कि महाविद्यालय से सटे ग्राम 'मंझरिया' को शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता के प्रति जागरुकता के साथ-साथ केन्द्र तथा प्रदेश सरकार की योजनाओं से संतृप्त गांव बनाने को 'मिशन' बनाकर कार्य किया जाय। बी.एड्. विभाग ने यह जिम्मेदारी ली, और इस अभियान को 'मिशन मंझरिया' नाम दिया। बी.एड्. विभागाध्यक्ष श्रीमती शिप्रा सिंह के निर्देशन में बी.एड्. द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों ने कक्षा के बाद प्रतिदिन अपराह्न 2 से 4 बजे तक मंझरिया को अपना कर्मक्षेत्र बना लिया। बी.एड्. के विद्यार्थियों ने सर्वप्रथम कक्षा 01 से कक्षा 10 तक पढ़ने वाले विद्यार्थियों को 'नि:शुल्क कोचिंग' के नाम से पढ़ाना प्रारम्भ किया। एक सप्ताह के अन्दर लगभग अस्सी परिवारों के बच्चे इन कक्षाओं में पंजीकृत हुए, और

खेल-खेल में पढ़ाई

मिशन मंझरिया

फिर सेवा कार्य को विस्तार मिलना प्रारम्भ हुआ। अगली लक्ष्य बनी छोटी-बड़ी बुजुर्ग निरक्षर महिलाएं। गांव की श्रीमती ज्योति स्वयं पढ़ाने वालों की टोली में सम्मिलित हुयी। महाविद्यालय के विद्यार्थियों के लगभग माहभर के परिश्रम ने विश्वास अर्जित करना आरम्भ कर दिया।

मिशन मंझरिया में साक्षर होती महिलाएं

ज्ञान-यज्ञ के साथ-साथ नि:शुल्क चिकित्सा शिविर की योजना बनी। गोरखपुर के दैनिक समाचार पत्र 'अमरउजाला' के सहयोग से पहले 'चिकित्सा शिविर' ने इस योजना को आधार प्रदान किया और गुरु श्रीगोरक्षनाथ चिकित्सालय के 'सचल चिकित्सा सेवा' ने साप्ताहिक स्वास्थ्य शिविर लगाकर इस योजना को पंख लगा दिया। 'मिशन मंझरिया' बी.एड्. विभाग का वास्तविक मिशन बन गया।

नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर

स्वच्छता इस मिशन का अगला पड़ाव था। महाविद्यालय की तर्ज पर प्रत्येक शनिवार को कक्षाओं ने 'स्वैच्छिक श्रमदान शिविर' का रूप ग्रहण किया। गांव के छोटे बच्चों से बुजुर्ग तक इस अभियान के हिस्सेदार बन गए। प्लास्टिक के प्रयोग न करने की दिशा में गांव चल पड़ा। अब सफाई गांव की संस्कृति का हिस्सा बनने लगा है। इसी क्रम में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के प्राणि विज्ञान विभाग के सेवानिवृत्त पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. दिनेश कुमार सिंह ने 'एक घर-एक पेड़' के योजनान्तर्गत 'मौलश्री' के 101 पौधा लेकर इस मिशन के साझीदार बनें। गांव के 101 परिवारों को पौधे उपलब्ध कराने वह स्वयं गांव में आए।

साप्ताहिक स्वैच्छिक श्रमदान

मिशन-मंझरिया के पथिक विद्यार्थियों ने पर्व-उत्सव को भी इस मिशन का हिस्सा बनाया। प्रत्येक शनिवार को स्वच्छता के साथ-साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम होने लगे हैं। इस अभियान की पूर्णता महात्मा

मिशन मंझरिया

पौधारोपण हेतु ग्रामीणों को उपलब्ध कराये गये पौधे

गांधीजी की जयन्ती, मकर संक्रान्ति पर्व एवं गणतंत्र दिवस, बसन्त पंचमी समारोह के अन्तर्गत आयोजित समारोहों में दिखी। गणतन्त्र दिवस समारोह में प्रत्येक शिक्षा केन्द्रों पर साज-सज्जा के साथ ध्वजारोहण, राष्ट्र भक्ति से ओत-प्रोत नाचती-गाती महिलाएं, झूमते बच्चें और बुजुर्गों की टोलियां इस समारोह की अद्वितीय झांकी थी। गाँव के इस आयोजन के सामने महाविद्यालय का गरिमामय भव्य आयोजन फीका पड़ गया।

बसंत पंचमी का पर्व मनाता मिशन मंझरिया

वर्तमान सत्र में बी.एड्. विभाग की अद्वितीय उपलब्धि है 'मिशन मंझरिया'। इस 'मिशन' को प्रारम्भ कर वर्तमान परिणति तक पहुंचाने वाले सेवाव्रती विद्यार्थी हैं- सिद्धार्थ कुमार शुक्ला, हिमानी मिश्रा, नीलम दूबे, विजय कुमार, प्रियंका मणि त्रिपाठी, मंशा पासवान, साधना सिंह, प्रमोद कुमार, अविनाश शर्मा, सरफराज अहमद, नेहा पासवान, बृजेश यादव, सुनील गुप्ता तथा सहयोगी विद्यार्थी रश्मि चंद्रा, किरन वर्मा, प्रतिमा यादव, सीमा चौहान, रितिमा पासवान, तुलसी सिंह, श्रीनरायण, रीतेश सोनकर, कुलदीप निषाद, अनिल कुमार, नीलम कुमारी, आकृति मिश्रा हैं। इस 'मिशन' को 'आदर्श गांव मंझरिया' के रूप में स्थापित करना बी.एड्. विभाग की जिम्मेदारी है।

ग्रामीण महिलाओं को बी.एड्. गृह विज्ञान शिक्षण विषय की छात्राध्यापिका सीमा द्वारा महिलाओं को कढ़ाई, बुनाई तथा पेंटिंग का हुनर भी सिखाया जा रहा है।

गणतंत्र दिवस पर कार्यक्रम प्रस्तुत करते बच्चे

कढ़ाई के श्रेष्ठतम् प्रशिक्षार्थी

मिशन मंझरिया

''मिशन मंझरिया'' अनवरत गति से चलता रहे, इस दृष्टि से बी.एड्. विभागाध्यक्ष श्रीमती शिप्रा सिंह ने बी.एड्. प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों को इस मिशन से जोड़ने की योजना का क्रियान्वयन प्रारम्भ कर दिया है। 4 फरवरी 2020 से बी.एड्. प्रथम वर्ष के छात्राध्यापक अनुज, राहुल यादव, दीपक, अनिल पटेल, अमित यादव, आदित्य वर्मा तथा छात्राध्यापिका हर्षा गुप्ता, स्मिता वर्मा, कृतिका त्रिपाठी, इन्दू चौधरी, अंजलि मिशन मंझरिया के कार्यक्रम को सीखने के लिए जुड़ीं। यही इस सत्र के प्रथम वर्ष के विद्यार्थी इस मिशन को अगले सत्र में गतिमान बनाये रखेंगे।

मन को संतोष देने एवं आह्लादित करने वाली मिशन मंझरिया की कुछ तस्वीरें

नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर

मिशन मंझरिया में पढ़ते बच्चे

माँ-बच्चे साथ-साथ पढ़ते हुए

मिशन मंझरिया के वरिष्ठ विद्यार्थी

खेलते बच्चे

छत पर चलती कक्षा